इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स, इलेक्ट्रिक व्हीकल मशीनिंग में दक्ष होंगे आईटीआई के छात्र

प्रदेश सरकार ने 62 राजकीय आईटीआई के उन्नयन के लिए किया एमओयू

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के छात्र जल्द ही इलेक्ट्रिक वाहन, 3डी प्रिंटिंग, इंडस्ट्रियल रोबोटिक्स एंड डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग टेक्निक, एडवांस टूल, कैम प्रोग्रामर जैसे आधुनिक ट्रेड में प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। इसके लिए प्रदेश की 62 और राजकीय आईटीआई को अपग्रेड करके 12 नए कोर्स शुरू किए जाएंगे।

इसके लिए मंगलवार को टाटा टेक्नोलॉजीज लिमिटेड (टीटीएल) से एमओयू किया गया। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल की उपस्थिति में टाटा और प्रदेश सरकार के बीच एमओयू हुआ।

आईटीआई की जानकारी के लिए क्यूआर स्कैन करें।

आईटीआई अलीगंज में हुए एमओयू के अवसर पर मंत्री ने कहा, पहले चरण में 149 आईटीआई अपग्रेड हुए हैं। यहां प्रशिक्षण शुरू हो गया है। अब दूसरे चरण में 62 और आईटीआई में अत्याधुनिक लैब की स्थापना की जाएगी। इससे युवाओं को तकनीकी शिक्षा में बेहतर अवसर मिलेंगे।

उन्होंने युवाओं से कहा, यह योजना न केवल रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करेगी, बल्कि प्रशिक्षित युवाओं को टाटा टेक्नोलॉजीज और अन्य कंपनियों में सेवायोजन के अवसर भी देगी। हमारा लक्ष्य है कि प्रशिक्षार्थी नौकरी लेने वाले ही नहीं, बल्कि नौकरी देने वाले भी बनें। दूसरे चरण में पांच आईटीआई को अपग्रेड कर सीआईआईआईटी भी बनाया जाएगा। इससे हर साल लगभग 10 हजार प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस योजना पर कुल 2141.82 करोड़ खर्च होंगे।

प्रमुख सचिव हरिओम ने बताया कि प्रशिक्षण इस तरह से डिजाइन किया गया है कि प्रदेश के युवा न केवल राज्य में, बल्कि पूरे देश और विदेशों में भी कौशल का परचम लहराएं। विशेष सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि टाटा की ओर से प्रति संस्थान दो प्रशिक्षकों की तैनाती पहले दो वर्षों के लिए और 1 मास्टर ट्रेनर तीसरे व चौथे वर्ष के लिए की जाएगी।

कार्यक्रम में अपर निदेशक मान पाल सिंह, निदेशक प्राविधिक डीके सिंह, संयुक्त निदेशक आरआर यादव, आईटीआई के प्रधानाचार्य एसके श्रीवास्तव व चंद्रशेखर सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान मौजूद राज्यमंत्री कपिल देव अग्रवाल और प्रमुख सचिव हरिओम। संवाद

सेमीकंडक्टर के लिए चल रहा काम

कार्यक्रम में टाटा टेक्नोलॉजीज के वाइस प्रेसिडेंट व ग्लोबल हेड सुशील कुमार ने कहा, कंपनी इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर, विशेष रूप से सेमीकंडक्टर निर्माण में तेजी से काम कर रही है। इससे रोजगार की नई संभावनाएं पैदा होंगी। इन 62 आईटीआई में सात दीर्घकालिक और 15 अल्पकालिक व्यवसायों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। सीआईआईआईटी संस्थानों में 8 प्रशिक्षकों की तैनाती 5 साल के लिए की जाएगी।

लखनऊ मंडल की 10, अयोध्या की 9 आईटीआई शामिल

टाटा जिन 62 आईटीआई को अपग्रेड करेगा उसमें लखनऊ मंडल की 10, अयोध्या मंडल की नौ, प्रयागराज की दो, आगरा की तीन, झांसी की दो, कानपुर की दो, मेरठ की चार, विंध्याचल की एक, आजमगढ़ की तीन, बरेली की नौ, बस्ती की एक, देवीपाटन की चार, गोरखपुर की पांच, मुरादाबाद की दो, सहारनपुर की दो, चित्रकूट की एक शामिल है।